विस्तार रिपोर्ट

July- Aug 2012

विस्तार कार्यक्रम के तहत सवाई माधोपुर व खण्डार ब्लॉक के 14 राजकीय विद्यालयों में ग्रामीण शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित संदर्भ विद्यालयों के सहयोग से शैक्षिक नवाचार कार्य किया जा रहा है। इस बार समुदाय को विद्यालय से जोड़ने व विद्यालय की समस्याओं को समझकर उनके समाधान तलाशने पर अधिक ध्यान दिया गया। सन्दर्भ शिक्षक द्वारा कम से कम सप्ताह में एक दिन प्रत्येक विद्यालय को अनिवार्य रूप से दिया जा रहा है।

जिसमें पिछले एक माह में किये गये कार्यों का विवरण इस प्रकार है :–

प्रमुख कार्य :–

अ. <u>विद्यालयों में किये गये कार्य :–</u>

- बच्चों में शिक्षण के प्रति रूचि बढ़ाने व भाषा शिक्षण में आ रही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक विद्यालय में शिक्षकों एवं बच्चों के लिए पुस्तकालय वितरित किया गया। जिसमें बच्चों के लिए 217 पुस्तकें व शिक्षकों के लिए 19 पुस्तकों का सेट उपलब्ध करवाया गया। जिसका उपयोग बच्चों व शिक्षकों द्वारा होने लगा है।
- प्रधानाध्यापक के साथ शैक्षिक नवाचारों को लागू करने, पुस्तकालय का प्रयोग और विद्यालय में आनन्ददायी शैक्षिक वातावरण बनाने को लेकर व्यवस्था सम्बन्धी बातचीत सन्दर्भ शिक्षक द्वारा की जा रही है। जिसके प्रभाव स्वरूप विद्यालय की सभा रोचक और आनन्ददायी होने लगी है।
- **टी.एल.एम. :–** बच्चों के साथ शैक्षिक कार्य को रोचक, सरल व बोधगम्य बनाने के लिए शिक्षण सामग्री का निर्माण कर शैक्षणिक कार्यों में इस्तेमाल किया जाने लगा है। यह कार्य रांवल, माधोसिंहपुरा, रामसिंहपुरा, खाण्डोज, कटार, पावंडी में होने लगा है।
- **योजना आधारित शिक्षण :–** बच्चों के साथ किये जाने वाले शैक्षिक कार्यों को बेहतर बनाने के लिए योजना आधारित शिक्षण कार्य रांवल कक्षा 1,2 के साथ, रामसिंहपुरा में 1,2,3,4,6 के साथ, सांवलपुर में कक्षा 1,2,3,4,5, गोपालपुरा में कक्षा 1,2,3,4,5, उलियाना में कक्षा 1–8 तक के 15 बच्चों का विशेष समूह बनाकर भाषा शिक्षण कार्य होने लगा है।
- **छात्र–शिक्षक सम्बन्ध :–** शैक्षिक कार्य को बेहतर व प्रभावकारी बनाने के लिए छात्र व शिक्षक के बीच मधुर सम्बन्ध होना जरूरी होता है इस प्रक्रिया में शिक्षक बच्चों को डराने और भय दिखाने के साधनों का प्रयोग न करने के लिए स्वयं को संयमित करने का प्रयास कर रहे है। जिसका असर रामसिहपुरा, रांवल, उलियाना, खाण्डोज, छारोदा, सांवलपुर, गोपालपुरा, मेई खुर्द में दिखाई देने लगा है।

- **मल्टी लेवल मल्टी ग्रेड शिक्षण :–** बच्चों को उनके स्तर के अनुसार शिक्षण कार्य करवाने के लिए उन्हें उप समूहों में बाँटकर कार्य रांवल विद्यालय में कक्षा 1,2, रामसिंहपुरा में कक्षा 1,2,3,4, उलियाना में विशेष समूह के साथ, मेई खुर्द में कक्षा 3, कटार में कक्षा 1,2,3, पावंडी में कक्षा 1,2,3,4,5 में किया जा रहा है।
- **रचनात्मक लेखन :–** बच्चों में रचनात्मक लेखन को बढ़ावा देने व उनको प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक विद्यालय में दस–दस की संख्या में बच्चों द्वारा किये गये रचनात्मक लेखन व कला कार्यों की मासिक बाल पत्रिका 'मोरंगे' भेजी जाती है।

ब. <u>समुदाय का विद्यालय से जुड़ाव</u>

- **शाला प्रबन्धन समिति** (SMC) :– एसएमसी को विद्यालय की गतिविधियों से जोड़ने व शैक्षिक समझ बढ़ाने के लिए सन्दर्भ विद्यालय का अवलोकन करवा गया जिसमें निम्न विद्यालयों द्वारा अवलोकन कर लिया गया है।

  राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कटार :– इस गाँव की सन्दर्भ शाला पर विजिट में 14 सदस्य उपस्थित थे। जिसमें दो शाला शिक्षक, एक वार्ड पंच, चार महिलाएँ व एक बालिका सदस्य और चार अन्य पुरूष सदस्य सम्मिलित हुए। यहाँ की एस.एम.सी. के सदस्य अध्यापकों से बच्चों की पढ़ाई करवाने व उन पर ध्यान देने जैसी बातें करने लगे हैं। उनके प्रयासों से 2–3 सालों बाद अब एक प्रधानाध्यापक व एक शिक्षक लग रहा है। एस.एम.सी. के सदस्य अब पोषाहार भी देखते हैं।

  राजकीय माध्यमिक विद्यालय खण्डेवला :– इस गाँव की एस.एम.सी. द्वारा सन्दर्भ शाला पर विजिट में चार पुरूष सदस्य, एक शाला शिक्षक व तीन महिला सदस्यों ने भाग लिया। यहाँ के सदस्यों को एस.एम.सी. के कार्यों और जिम्मेदारियों का बिल्कुल भी पता नहीं है। सन्दर्भ विद्यालय पर उनको उनके कार्य और जिम्मेदारियों को विस्तार से बताया गया।
- **ग्राम शिक्षा समिति** (VEC) :– वीईसी को विद्यालय की गतिविधियों से जोड़ने व शैक्षिक समझ बढ़ाने के लिए सन्दर्भ विद्यालय का अवलोकन करवा गया। वी.ई.सी. क्या होती है? और गाँव में कौन इसके सदस्य हैं? इसका पता स्वयं सदस्यों को भी नहीं है। इस पखवाड़े में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय उलियाणा की वी.ई.सी. द्वारा अवलोकन किया गया है। इसमें उनको गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों को होते हुए देखने का अवसर मिला। उनसे अपनी पंचायत में आने वाले विद्यालयों की शैक्षिक समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने पर चर्चा की गई।
- **अभिभावकों का विद्यालय पर अवलोकन** :– अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों के शैक्षिक कार्यों को समझने, शिक्षण में हो रहे नवाचार को समझने व बच्चों को घर व विद्यालय में शैक्षिक वातावरण उपलब्ध करवाने की समझ बनाने के लिए सन्दर्भ विद्यालय का अवलोकन करवाया गया। जिसमें रावल गाँव की माता अभिभावकों द्वारा अवलोकन किया गया। लगभग 30 माताओं ने इस विजिट में विद्यालय का अवलोकन किया। इन्होने विद्यालय में चल रहे शैक्षणिक क्रियाकलापों को देखा और

विद्यालय के कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अपने बच्चों की शिक्षा में सुधार हेतु विद्यालय में नियमित जाने और शिक्षक से बात करने की आवश्यकता को जाना।

- **नियमित समुदाय सम्पर्क :–** सन्दर्भ शिक्षक राजकीय विद्यालयों में कम से कम सप्ताह में एक दिन अपनी सेवा देता है। जिसमें विद्यालय के अलावा समुदाय में अभिभावकों से मिलने व बच्चों और विद्यालय से जुड़े शैक्षणिक व्यवस्थात्मक और साफ–सफाई जैसे मसलों पर बातचीत की जाती है। राजकीय शिक्षक भी आवश्यकता पड़ने पर समुदाय सम्पर्क कर रहे हैं।

उपलब्धियाँ :–

1 ग्रामीणों एवं SMC में 'विस्तार' की गतिविधियों को लेकर एक सकारात्मक सोच बनने लगी है। समुदाय राजकीय विद्यालयों में पढ रहे बच्चों की शिक्षा के प्रति रूचि लेने लगा है। वे अब शिक्षक से समय पर आने के लिए कहते हैं। विलम्ब से आने पर लेट आने का कारण भी पूछते हैं। एस.एम.सी. की बैठकों को नियमित करने व उनमें सक्रिय भाग लेने लगे हैं। पोषाहार व व्यवस्था सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण के लिए अपना सहयोग देने को तत्पर हैं। वे शिक्षक और शिक्षिकाओं से बेहतर शिक्षण कार्य करने व बच्चों के शैक्षिक स्तर को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने के लिए कहते हैं।

समस्यायें :–

1 राजकीय विद्यालयों से समुदाय का एस.एम.सी., वी.ई.सी. और अभिभावकों के रूप में सक्रिय जुड़ाव के चलते सन्दर्भ शिक्षक को विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने अपने विद्यालय में प्रवेश करने से मना कर दिया है। उनका कहना है कि पहले डी.ई.ई.ओ. के आदेश लेकर आओ।

2 डाईट प्रचार्य का स्थानानतरण होने व ए.डी.ई.ओ. माध्यमिक सेवा निवृत होने व नई नियुक्तियाँ होने से विस्तार कार्यक्रम संचालन समिति की बैठक की आवश्यकता है। ताकी विस्तार कार्यक्रम सुचारू रूप से चलता रहे।